प्रेस नोट

एम.डी.यू., रोहतक में "**Skilled India – Vision @2047**" के तहत उद्योग–शिक्षा सहयोग को नई दिशा

पं. दीन दयाल उपाध्याय कौशल एवं व्यावसायिक शिक्षा केन्द्र,महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एम.डी.यू.), रोहतक में दिनांक **20 जनवरी, 2026** को *कौशल-आधारित एवं व्यावसायिक शिक्षा में कौशल विकास एवं उद्यमिता* विषय पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य "Skilled India (**कौशल भारत, कुशल भारत**)" एवं **विकसित भारत @2047** के लक्ष्य के अनुरूप कौशल शिक्षा को सुदृढ़ करना था।

बैठक में एम.डी.यू., रोहतक एवं आईएएससी सेक्टर स्किल काउंसिल, दिल्ली के मध्य शीघ्र ही समझौता ज्ञापन (MoU) किए जाने पर सहमति बनी। इसके साथ ही अगले शैक्षणिक सत्र से 2+1 वर्ष का कौशल-आधारित कार्यक्रम प्रारंभ करने पर भी चर्चा की गई, जिसमें एक वर्ष का अनिवार्य इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप सम्मिलित होगा।

बैठक में उद्योग–शिक्षा सहयोग, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर बल दिया गया, जिससे विद्यार्थियों की रोजगारोन्मुख दक्षताओं का विकास सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में रणनीतिक योजना, संस्थागत समन्वय तथा कौशल एवं उद्यमिता आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उद्योग–शिक्षा जगत एकीकरण को विशेष रूप से सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

यह बैठक महार्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक एवं आईएएससी सेक्टर स्किल काउंसिल, दिल्ली के मध्य प्रस्तावित सहयोग के संदर्भ में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता, प्रासंगिकता एवं विद्यार्थियों की रोजगारोन्मुखता को सुदृढ़ करना है।

बैठक में आईएएससी सेक्टर स्किल काउंसिल के **निम्नलिखित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे**:

- श्री ब्रजेश कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)
- श्री मयंक बंसल, प्रमुख, इंस्टीट्यूट–इंडस्ट्री इंटरफेस प्रोग्राम
- डॉ. विशिखा यादव, संयुक्त निदेशक, स्किल डेवलपमेंट कमेटी – एफआईआई

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं संकाय सदस्य भी बैठक में सम्मिलित हुए, जिनमें प्रो. बी. नरसिम्हन आईक्यूएसी निदेशक, प्रो. राहुल ऋषि, सतीश मलिक विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. संतोष तिवारी- अतिरिक्त अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास – इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप), प्रो. दिव्या मल्हान सीसीपीसी निदेशक, इंजी. अरुण कुमार -प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी (यूआईईटी) तथा सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान एम.डी.यू., रोहतक एवं आईएएससी सेक्टर स्किल काउंसिल, दिल्ली के मध्य शीघ्र ही समझौता ज्ञापन (MoU) किए जाने के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की गई। प्रस्तावित MoU के अंतर्गत कौशल विकास, उद्यमिता, उद्योग-संलग्न प्रशिक्षण, इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से क्रियान्वित किया जाएगा।

प्रस्तावित मॉडल के अंतर्गत दो वर्ष का अकादमिक अध्ययन एवं एक वर्ष का अनिवार्य इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप सम्मिलित होगा, जिससे विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल, उद्योग-अनुभव एवं रोजगारोन्मुख दक्षताओं को प्रभावी रूप से बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि प्रस्तावित MoU, 2+1 मॉडल तथा उद्योग-संलग्न पहलें "Skilled India (कौशल भारत, कुशल भारत)" की अवधारणा को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। ये पहलें विकसित भारत @2047 मिशन एवं विश्वविद्यालय के Vision @2047 के अनुरूप विद्यार्थियों को कुशल, सक्षम, नवाचारी, आत्मनिर्भर एवं भविष्य-उन्मुख मानव संसाधन के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी।

बैठक के अंत में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि ऐसे उद्योग-संलग्न एवं कौशल-आधारित शैक्षणिक मॉडल विश्वविद्यालय में कौशल शिक्षा, उद्यमिता संस्कृति तथा रोजगार सृजन को नई दिशा प्रदान करेंगे।

निदेशक